MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Need to give national honour and build a grand memorial of Babasaheb Bhimrao Ambedkar at 26, Alipur Road, Delhi

श्री पी.एल.पुनिया (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया। देश की राजधानी दिल्ली में 26, अलीपुर रोड एक महत्वपूर्ण address है। यह वही स्थान है, जहां बाबासाहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जी का निर्वाण स्थल है। बाबासाहेब डा. अम्बेडकर केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के बाद 1951 से 6 दिसम्बर, 1956 तक, आखिरी सांस लेने तक वहीं पर रहे। इसी दौरान उन्होंने पावन बौद्ध ग्रंथ The Buddha and His Dhamma की रचना की थी और नागपुर में बौद्ध दीक्षा लेने की रूपरेखा भी उन्होंने यहीं से तैयार की। इसी स्थान पर रहकर उन्होंने देश के सदियों से दबे-कुचले, शोषित और वंचित दलितों को सम्मान और अधिकार दिलाने की निर्णायक लड़ाई लड़ी तथा एक देवता के रूप में दलितों की तकदीर एवं तस्वीर बदली। अतः यह पावन महानिर्वाण स्थल करोड़ों देशवासियों की आस्था, प्रेरणा, सम्मान, स्वाभिमान और शक्ति का केंद्र है। अनेक वर्षों से यह मांग रही है कि इस महानिर्वाण स्थल पर सांची स्तूप जैसा भव्य स्मारक बनाया जाए और इस स्मारक को भव्य रूप देने के लिए आस-पास के बंगलों का अधिग्रहण किया जाए। भारतीय जनता पार्टी की पिछली एनडीए की सरकार के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी जी के द्वारा इस भवन का अधिग्रहण किया गया था। 2 दिसम्बर, 2003 को उन्होंने इसे राष्ट्र के नाम समर्पित किया था। डा. मनमोहन सिंह जी ने 14 जून, 2012 को भव्य सांची स्तूप की तरह स्मारक बनाने का निर्णय लिया था, लेकिन कार्य प्रारम्भ नहीं हो सका था। अब 12 जून, 2014 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री आदरणीय थावर चन्द गहलोत जी से भी एक शिष्टमंडल मिला था, जिसमें माननीय सदस्य डा. सत्यनारायण जटिया जी और श्री उदित राज जी, ये सब लोग मौजूद थे। आज हम यह मांग करते हैं कि इस स्थान पर एक भव्य निर्वाण स्थल का निर्माण करने के लिए फंड की स्वीकृति दी जाए और निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जाए। ...(**समय की घंटी**)... सर, चूंकि यह मान-सम्मान से जुड़ा हुआ विषय है मान्यवर कांशीराम जी को भारत रत्न दिया जाए। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : आपका टाइम खत्म हो गया है ...(**व्यवधान**)...

डा. विजयलक्ष्मी साधौ (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री परवेज़ हाशमी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

SHRI JESUDASU SEELAM (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with the point made by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I also associate myself with the point made by the hon member.

SHRI MEGHRAJ JAIN (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the point made by the hon. Member.

SHRI TARUN VIJAY (Uttarakhand): Sir, I also associate myself with the point made by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the point made by the hon. Member.

SHRIMATI WANSUK SYIEM (Meghalaya): Sir, I also associate myself with the point made by the hon. Member.

DR. BHALCHANDRA MUNGEKAR (Nominated): Sir, I also associate myself with the point made by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All names of the Members who are associating may be added.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the point made by the hon. Member.

Shortage of fertilizers affecting farmers

सरदार सुखदेव सिंह ढिंडसा (पंजाब) : उपसभापति महोदय, आज मैं आपकी और हाउस की तरफ से सरकार से और खासकर फर्टिलाइज़र मिनिस्ट्री से यह रिक्वेस्ट करता हूं कि पंजाब में ही नहीं, सारे देश में खाद की बहुत किल्लत हो गयी है । हमारी तरफ से, पंजाब की तरफ से मुख्यमंत्री जी ने कई दफा इस बारे में लिखा है, आज भी वह पेपर में आया है । सोइंग का सीज़न खत्म हो रहा है, किसान को इस समय खाद की जरूरत है । सर, मैं इस डिपार्टमेंट का मिनिस्टर रह चुका हूं, मुझे मालूम है कि 6 महीने पहले हर स्टेट से उसकी डिमांड पूछी जाती है और उनसे कमिटमेंट होती है कि किस तारीख तक उनको यह मिल जाएगी । पंजाब सरकार की तरफ से 6,72,650 मेट्रिक टन का estimate दिया गया और गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने कहा कि 30 नवम्बर तक यह पूरा हो जाएगा, लेकिन आज तक डेढ़ लाख टन यूरिया पंजाब को नहीं मिला है । यह मैं सिर्फ पंजाब की बात कर रहा हूं, सारे देश की बात ही ऐसी होगी । अगर कुदरती यह दो-चार दिन में नहीं आया, तो sowing हो जाएगी । उसकी वजह से किसानों में बहुत ज्यादा हलचल मची हुई है ।

डिप्टी चेयरमैन सर, आपको मालूम है कि जब इस देश को 1960 के दशक में अनाज की जरूरत थी, तो खासकर पंजाब ने, हरियाणा भी उसमें शामिल था और वेस्टर्न यू.पी. भी शामिल था, इस देश को हरित क्रांति के द्वारा इतना अनाज दिया, उसमें फर्टिलाइज़र का भी हिस्सा था । आज अगर फर्टिलाइज़र नहीं मिलता, यह ओडिशा ही नहीं कई जगह पर नहीं मिल रहा होगा, मैं इतना